All the objective Questions are given (asked) in the view of develop the basic concept between students

Tick the Correct option:

(01) दर्शन का स्वरूप कैसा है?
(i) वास्तविक (ii) आकारिक (iii) तात्विक (iv) कोई नहीं

(02) भारत में दर्शन की उत्पति कैसे हुई है।
(i) जिज्ञासा-नसीहिज्ञा (ii) दुःख धातु से (iii) दोनों से (iv) किसी से नहीं।

(03) पाश्चात्य (पश्चिमी) दर्शन क्या है?
(i) सैद्धान्तिक (ii) व्यावहारिक (iii) दोनों (iv) दोनों में से कोई नहीं।

(04) भारतीय दर्शन क्या है।
(i) व्यावहारिक (ii) सैद्धान्तिक (iii) दोनों (iv) दोनों में से कोई नहीं।

(05) पाश्चात्य (पश्चिमी) दर्शन का दृष्टिकोण है।
(i) वैज्ञानिक (ii) धार्मिक (iii) दोनों (iv) दोनों में से कोई नहीं।

(06) मोक्षानुभूति सामान्य लक्ष्य है।
(i) दर्शन का (ii) धर्म का (iii) दोनों का (iv) कोई नहीं।

(07) पश्चिमी दर्शन में प्रधानता दी गई है।
(i) बौद्धिकता (ii) आध्यात्मिक ज्ञान (iii) दोनों (iv) दोनों में से किसी का नहीं।

(08) भारतीय दर्शन में प्रधानता दी गई है।
(i) आध्यात्मिक ज्ञान (ii) बौद्धिक ज्ञान (iii) दोनों की (iv) दोनों में से किसी को

(09) भारतीय दर्शन की निम्नलिखित कालों में हुई।
(i) चार (ii) तीन काल (iii) दो काल (iv) किसी काल में नहीं।

(10) वेद कितने प्रकार के हैं।
(i) एक (ii) दो (iii) तीन (iv) चार

(11) देवताओं की स्तुति के निमित्त मंत्र का उच्चारण किस वेद में होता है।
(i) ऋग्वेद (ii) यजुर्वेद (iii) सामवेद (iv) अथर्ववेद

(12) उपनिषदों को वेद का सार होने के कारण कहा जाता है।
(i) वेदान्त (ii) मीमांसा (iii) दोनों (iv) कोई नहीं।

(13) नास्तिक दर्शन की संख्या है।
(i) तीन (ii) चार (iii) दो (iv) पाँच

Scanned with CamScanner

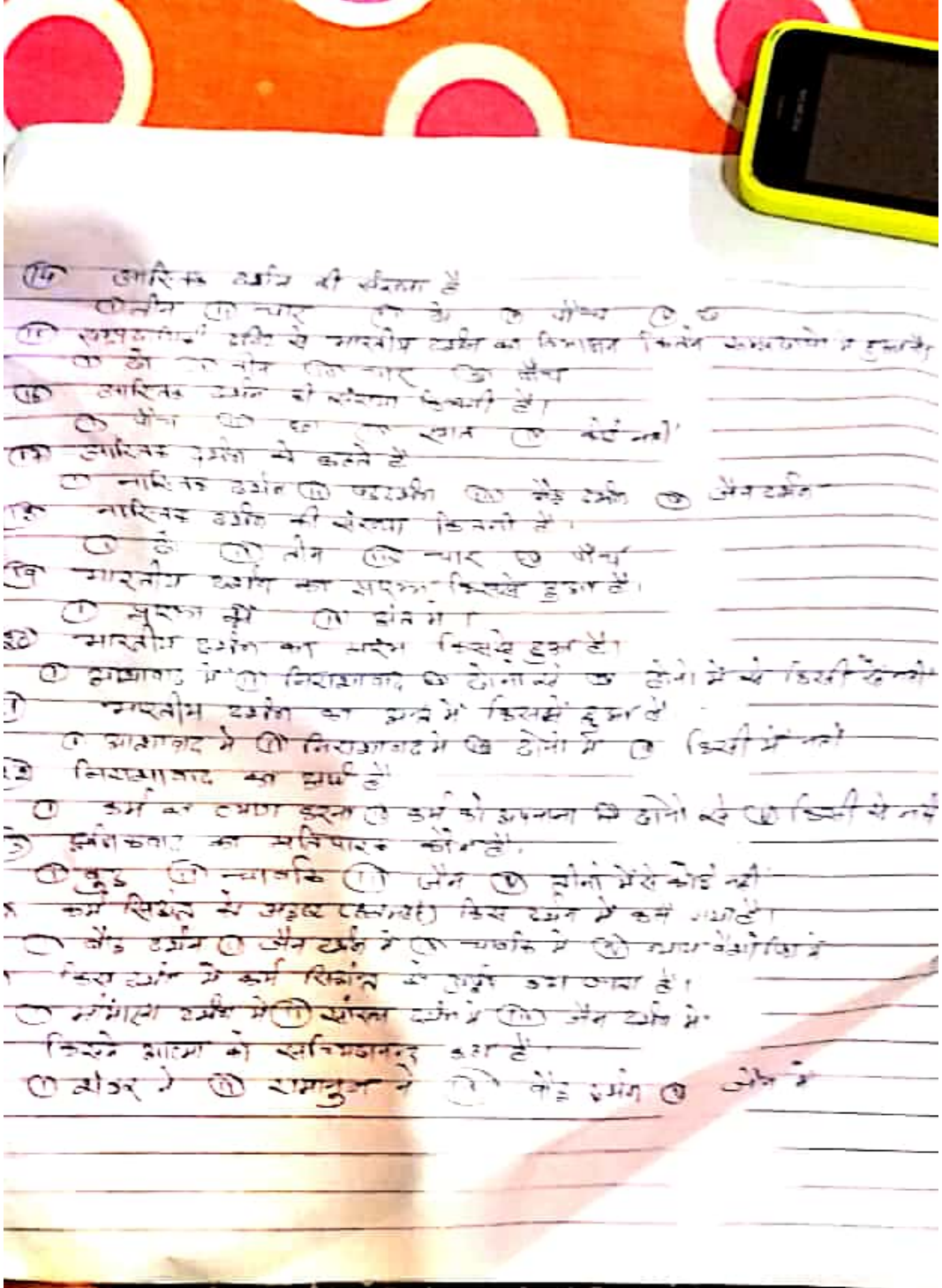

आस्तिक दर्शन की संख्या है
(i) तीन (ii) चार (iii) दो (iv) पाँच (v) छ

स्वरूप की दृष्टि से भारतीय दर्शन का विभाजन कितने सम्प्रदायों में हुआ है
(i) दो (ii) तीन (iii) चार (iv) पाँच

आस्तिक दर्शन की संख्या कितनी है।
(i) तीन (ii) छः (iii) सात (iv) कोई नहीं

आस्तिक दर्शनों को कहते हैं
(i) नास्तिक दर्शन (ii) षड्दर्शन (iii) बौद्ध दर्शन (iv) जैन दर्शन

नास्तिक दर्शन की संख्या कितनी है।
(i) दो (ii) तीन (iii) चार (iv) पाँच

भारतीय दर्शन का आरम्भ किससे हुआ है।
(i) दुःख से (ii) संशय से।

10 भारतीय दर्शन का आरम्भ किससे हुआ है।
(i) आशावाद में (ii) निराशावाद (iii) दोनों से (iv) दोनों में से किसी से नहीं

भारतीय दर्शन का अन्त में किससे हुआ है
(i) आशावाद में (ii) निराशावाद में (iii) दोनों में (iv) किसी में नहीं

निराशावाद का अर्थ है
(i) कर्म का त्याग करना (ii) कर्म को अपनाना (iii) दोनों से (iv) किसी से नहीं

[illegible] का प्रतिपादक कौन है।
(i) बुद्ध (ii) चार्वाक (iii) जैन (iv) तीनों में से कोई नहीं

कर्म सिद्धान्त में अदृष्ट ([illegible]) किस दर्शन में कहा गया है।
(i) बौद्ध दर्शन (ii) जैन दर्शन में (iii) चार्वाक में (iv) न्याय-वैशेषिक में

किस दर्शन में कर्म सिद्धान्त को [illegible] कहा गया है।
(i) मीमांसा दर्शन में (ii) सांख्य दर्शन में (iii) जैन दर्शन में

किसने आत्मा को सच्चिदानन्द कहा है
(i) शंकर ने (ii) रामानुज ने (iii) बौद्ध दर्शन (iv) जैन ने

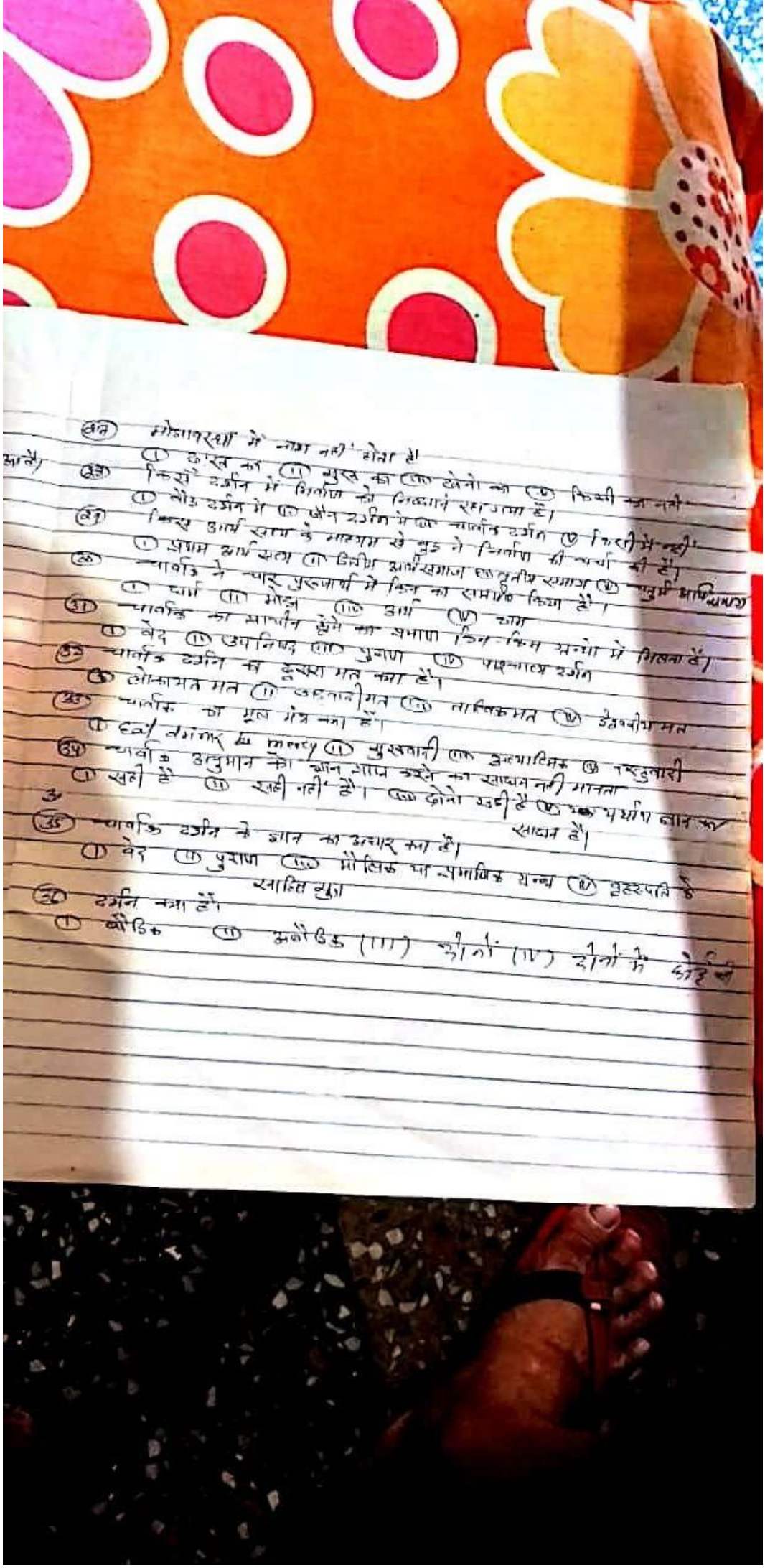

(२७) मोक्षावस्था में नाश नहीं होता है

(i) दुःख का (ii) सुख का (iii) दोनों का (iv) किसी का नहीं

आत्मे, (२८) किस दर्शन में निर्वाण को सिद्धांत रखा गया है।

(i) बौद्ध दर्शन में (ii) जैन दर्शन में (iii) चार्वाक दर्शन (iv) किसी में नहीं

(२९) किस आर्य सत्य के माध्यम से बुद्ध ने निर्वाण की चर्चा की है।

(i) प्रथम आर्य सत्य (ii) द्वितीय आर्य सत्य (iii) तृतीय आर्य सत्य (iv) चतुर्थ आर्य सत्य

(३०) चार्वाक ने चार पुरुषार्थ में किस का समावेश किया है।

(i) धर्म (ii) मोक्ष (iii) अर्थ (iv) काम

(३१) चार्वाक का मानना है ईश्वर का प्रमाण किन-किन ग्रन्थों में मिलता है।

(i) वेद (ii) उपनिषद (iii) पुराण (iv) पाश्चात्य दर्शन

(३२) चार्वाक दर्शन का दूसरा मत क्या है।

(i) लोकायत मत (ii) बृहस्पति मत (iii) नास्तिक मत (iv) देहवादी मत

(३३) चार्वाक का मूल मंत्र क्या है।

(i) कर्ज लेकर घी पियो (ii) सुखवादी (iii) अध्यात्मिक (iv) वस्तुवादी

(३४) चार्वाक अनुमान को ज्ञान प्राप्त करने का साधन नहीं मानता

(i) सही है (ii) सही नहीं है। (iii) दोनों सही है (iv) एक पर्याप्त ज्ञान का साधन है।

3

(३५) चार्वाक दर्शन के ज्ञान का आधार क्या है।

(i) वेद (ii) पुराण (iii) मौलिक या स्वाभाविक ग्रन्थ (iv) बृहस्पति के साहित्य सूत्र

(३६) दर्शन क्या है।

(i) लौकिक (ii) अलौकिक (iii) दोनों (iv) दोनों में कोई नहीं

Scanned with CamScanner

(Q) चार्वाक किस प्रकार के सुखवाद का समर्थन किया है।
(i) ~~धर्म~~ ~~(ii) मोक्ष~~ (iii) धर्म (iv) काम

(Q6)

(Q7) चार्वाक किस प्रकार का सुखवाद का समर्थन किया है।
(i) स्वार्थवादी सुखवाद (ii) Gross [illegible] Hedonism

(Q8) "यावत जीवेत सुखं जीवेत, ऋणं कृत्वा घृतं पिबेत।" किसने कहा है।
(i) चार्वाक ने (ii) जैन दर्शन (iii) बौद्ध धर्म [illegible] दर्शन में।

(Q9) चार्वाक दर्शन ने चार पुरुषार्थ में किसका खंडन किया।
(i) धर्म Virtue (ii) मोक्ष (iii) अर्थ (iv) काम

(Q10) "काम एवैकः पुरुषार्थः" को किस दर्शन में स्वीकार किया गया है।
(i) बौद्ध धर्म दर्शन (ii) जैन दर्शन (iii) चार्वाक दर्शन में
(iv) किसी में नहीं

Scanned with CamScanner